डॉ. भीमराव अम्बेडकर राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, निम्बाहेड़ा (राज.)

राष्ट्रीय सेवा योजना

विशेष सप्त दिवसीय शिविर – दिनांक 23.12.2021 से 29.12.2021

संक्षिप्त प्रतिवेदन

(गांधी दर्शन एवं वर्तमान में उसकी प्रासंगिकता)

गांधी दर्शन भटके लोगों को रास्ता दिखाने का कार्य आज भी कर रहा है। वर्तमान हालात में गांधीवादी मूल्य एक प्रभावी विकल्प के रुप में दिखाई देते हैं। गांधी के सत्य, अंहिसा, सत्याग्रह और नैतिकता के सिद्धान्त तो हमेशा ही उपयोगी रहेंगे। महात्मा गांधी एक विराट व्यक्तित्व तो थे ही साथ उनकी एक आदर्श जीवन शैली भी थी।

वर्तमान अस्थिरता के दौर में जहां एक ओर कोविड–19 जैसी महामारी लोगों को हताशा और बेहाल किये हुए है वहीं दूसरी ओर इसके आर्थिक परिणाम भी लोगों को भविष्य के प्रति आशंकित किये हुए है। आज सम्पूर्ण विश्व बाजारवाद के दौड़ में शामील हो चुका है। ऐसे में गांधीवाद की प्रासंगिकता पहले से कहीं अधिक हो जाती है। वास्तव में गांधीवाद क्या है ? इसकी चर्चा करना आवश्यक है। किसी भी शोषण का अहिंसक प्रतिरोध, सबसे पहले दूसरों की सेवा, संचय से पहले त्याग, झूठ के स्थान पर सच, अपने बजाय देश और समाज की चिंता करना आदि विचारों को समग्ररुप से गांधीवाद की संज्ञा दी जाती है। गांधीवादी विचार व्यापक रुप से प्राचीन भारतीय दर्शन से प्रेरणा पाते है और इन विचारों की प्रासंगिकता अभी भी बरकरार है। वैश्विक परिप्रेक्ष्य में गांधीजी से जमीनी तौर पर अपने विचारों का परीक्षण किया और जीवन में सफलता अर्जित की जो न सिर्फ स्वयं के लिए अपितु पूरे विश्व के लिए थी। आज दुनिया गांधी दर्शन के प्रमुख विचारों यथा सत्य, अहिंसा, सत्याग्रह, सर्वोदय, स्वराज, स्वदेशी आदि को युवा वर्ग से रुबरु करवाने के लिए कॉलेज शिक्षा निदेशालय की दिशा निर्देशानुसार इस बार विशेष शिविर 'गांधी विचारधारा एवं इसकी प्रासंगिकता' पर केन्द्रित रहा।

गांधीवादी विचारधारा की प्रासंगिकता की संकल्पना को आकार करने हेतु इस महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना की दोनों इकाईयों का विशेष सप्त दिवसीय शिविर महाविद्यालय परिसर (कोविड–19 के मद्देनजर) में दिनांक 23.12.2021 से 29.12.2021 तक आयोजित किया गया।

शिविर के प्रारम्भ दिवस को सर्वप्रथम पंजीकृत स्वयंसेवकों का इकाईवार विशेष शिविर हेतु चयन किया गया तथा उसके उपरान्त शिविर का विधिवत उद्घाटन नगरपालिका अध्यक्ष सुभाष शारदा के मुख्य आतिथ्य तथा प्राचार्य डॉ. कमल नाहर की अध्यक्षता में हुआ। इस अवसर पर पार्षद रविप्रकाश सोनी, जावेद खान तथा यूथ कांग्रेस विधानसभा अध्यक्ष जसवंत आंजना विशिष्ट अतिथि के रुप में मौजूद रहें। माँ शारदे को दीप प्रज्वलन, राष्ट्रीय सेवा योजना के लक्ष्य गीत के बाद कार्यक्रम अधिकारी डॉ. शिल्पा नागोरी के सातो दिवस की कार्यव्यवस्था प्रस्तुत की तथा कार्यक्रम अधिकारी डॉ. नीलम सेठी ने सेवा योजना के शिविर के उद्देश्यों को उद्घाटित किया। प्राचार्य डॉ. कमल नाहर ने राष्ट्रीय सेवा योजना के व्यापक उद्देश्य को स्पष्ट करते हुए गांधी दर्शन की प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला तथा वरिष्ठ संकाय सदस्य प्रो. इसहाक मोहम्मद, डॉ. हस्तीमल कोठारी एवं जिला समन्वयक प्रो. भगवान साहु ने स्वयंसेवकों का मनोबल बढ़ाया।

उद्घाटन सत्र के उपरान्त शिविर हेतु चयनित स्वयंसेवकों को आठ दलों का गठन कर कार्य योजना के क्रियान्वयन हेतु चर्चा कर कार्य विभाजन किया गया। द्वितीय दिवस का प्रथम सत्र कार्ययोजनानुसार गंगादल द्वारा प्रतिवेदन प्रस्तुतीकरण के साथ शुरु हुआ। स्वयंसेवकों ने सुबह योगााभ्यास के बाद परिसर में श्रमदान किया। स्वयंसेवकों को आठ दलों में विभक्त कर महाविद्यालय के सौन्दर्यीकरण का काम सौंपा जिसके अन्तर्गत स्वयंसेवकों ने परिसर विकास स्वच्छ एवं हरा–भरा परिसर हेतु श्रमदान किया व पौधों को पानी पिलाया। द्वितीय सत्र में महेश धूत (गैर सरकारी सदस्य, गांधी दर्शन समिति के मुख्य अध्यक्ष) के मुख्य आतिथ्य में तथा प्राचार्य डॉ. कमल नाहर की अध्यक्षता में गांधी दर्शन विषय पर व्याख्यान माला आयोजित की गई। तृतीय सत्र में अगले दिन होने वाली रंगोली प्रतियोगिता से सम्बंध में जानकारी देते हुए दिशानिर्देश दिये गये। अन्त में सांस्कृतिक व साहित्यक गतिविधयां हुई।

तृतीय दिवस दिनांक 25.12.2021 को योगाभ्यास के पश्चात् पूर्व दिवस की गतिविधियों का प्रतिवेदन सरस्वती समूह ने प्रस्तुत किया। तत्पश्चात् स्वयंसेवकों द्वारा परिसर सौन्दर्यीकरण हेतु श्रमदान किया गया। दिवस के द्वितीय सत्र में स्वयं सेवकों ने विभिन्न रंगो के माध्यम से अमृत महोत्सव के सपने को पूर्व रुप दिया। दोनों कार्यक्रम अधिकारियों के संयोजन में आयोजित रंगोली प्रतियोगिता में स्वाधीनताबेटी बचाओं बेटी पढ़ाओं, भारतीय संस्कृति, वैक्सीनेशन चेतना आदि विषयों से सम्बंधित रंगोली बनाकर चेता प्रसारित करने का कार्य किया। शिविर के तृतीय सत्र में स्वयंसेवक आंचल शेखावत व अर्जुन गिरी गोस्वामी के नेतृत्व में सांस्कृतिक संध्या का आयोजन किया गया।

दिनांक 26.12.2021 शिविर के चौथे दिन के प्रथम सत्र में दिवस के कार्यो के प्रतिवेदन प्रस्तुतिकरण के उपरान्त स्वयंसेवकों के दलों को दोनों प्रभारियों के साथ गोद ली हुई बस्ती इशक्काबाद में भेजा गया। जंहा स्वयं सेवकों ने नुक्कड़ नाटक एवं रैली के माध्यम से विभिन्न सामाजिक कुरीतियों को उजागर करते हुए लोगों को कोरोना संक्रमण के प्रति जागरुक किया। इस अवसर पर स्वयं सेविका कशिश सोमानी व समूह के नेतृत्व में नुक्कड़ नाटक का मंचन किया, जिसमें बस्तीवासियों को जागरुक कर सामाजिक संदेश देने का प्रयास किया। दिवस के अंतिम सत्र में बौद्धिक परिचर्चा व सास्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किये, जिसमें स्वयंसेवकों ने देश भक्ति से ओत–प्रोत काव्यपाठएवं गीत प्रस्तुत किये।

दिनांक 27.12.2021 को दैनिक चर्चा के उपरान्त दलों को छात्र व छात्राओं में विभक्त किया गया। छात्राओं को स्वयं सेविका खुशी शर्मा के द्वारा आत्मरक्षा के गुर सिखाये गये उसी दौरान छात्र वरिष्ठ संकाय सदस्य प्रो. इसहाक मोहम्मद के नेतृत्व में चिकित्सालय परिसर में उसके आप–पास मास्क वितरित किये गये तथा कोविड से बचाव के उपायों के माध्यम से भी स्वयंसेवकों के साधारण जनता को जागरुक किया।

दिवस के द्वितीय सत्र में महाविद्यालय परिसर में आशुभाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें सभी स्वयंसेवकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम में निर्णायक भूमिका वरिष्ठ संकाय सदस्य प्रो. इसहाक मोहम्मद ने निभाई। तृतीय सत्र में कार्यक्रम अधिकारियों के मार्गदर्शन में विभिन्न खेल प्रतियोगिताऐं करवाई गई तथा अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रम भी करवाये गये। अन्त में प्रो. इसहाक मोहम्मद ने स्वयं सेवकों को अनुशासन का महत्व बताते हुए विद्यार्थी जीवन में अनुशासित रहने का आव्हान किया।

दिनांक 28.12.2021 छठे दिन का आरम्भ योगाभ्यास के उपरान्त प्रतिवेदन के साथ हुआ। पेड़ पौधों के संरक्षण व परिसर में श्रमदान करने के पश्चात् अन्तराष्ट्रीय स्तर पर ख्याति प्राप्त 11 वर्षीय बालक ने योगाभ्यास करवाया जिसके माध्यम से स्वयंसेवकों में नई चेतना व नई स्फूर्ति आ गई। विभिन्न गतिविधियों योग प्रक्रियाओं प्राणायाम आदि के माध्यम से स्वयंसेवकों को प्रतिदिन व्यायाम व योग का महत्व समझाया।

दिवस के द्वितीय सत्र मे स्वयंसेवकों को स्वच्छता व सामाजिक, शैक्षिक सर्वे के लिए गोद ली हुइ बस्ती में विभिन्न दलों व उनके दल प्रभारी के साथ अनुसूची देकर भेजा गया। स्वयंसेवकों ने बस्ती में घर–घर जाकर स्वच्छता, सामाजिक आर्थिक स्थिति, कोविड टीकाकरण के सम्बंध में जानकारी प्राप्त की। दिवस के तृतीय सत्र में सांस्कृतिक गतिविधि के रुप में स्वयंसेवकों द्वारा सेल्फी बूथ का निर्माण अपने–अपने दलों के स्तर पर किया गया जिसका उद्देश्य विशेष सप्त दिवसीय शिविर के अंतिम दिवस पर अपने शिविर से सम्बंधित यादों को संजोय रखना था।

शिविर के अंतिम दिवस दिनांक 29.12.2021 को योगाभ्यास के उपरान्त प्रतिवेदन प्रस्तुति मयूराक्षी समूह द्वारा की गई। प्रथम सत्र में इस शिविर में हुए कार्यो की चर्चा की गई इसके उपरान्त इस शिविर मे जिसने अभी तक मंच पर आकर कोई प्रस्तुति नहीं दी थी उन्हें मंच पर आमंत्रित कर अपनी बात रखने का मौका दिया जिसका उद्देश्य था ज्ञान तो हासिल करना आवश्यक है लेकिन इससे भी अधिक आवश्यक है अपनी बात को सबके सामने रखना। इसके बाद विशेष शिविर का समापन समारोह वरिष्ठ संकाय सदस्य प्रो. इसहाक मोहम्मद की अध्यक्षता में हुआ जिसमें विशिष्ठ अतिथि जिला समन्वयक राष्ट्रीय सेवा योजना के प्रो. भगवान साहु थे तथा मुख्य अतिथि पूर्व कार्यक्रम अधिकारी डॉ. देवाराम रहे। कार्यक्रम अधिकारी डॉ. नीलम सेठी ने अतिथियों का स्वागत किया तथा इस शिविर की उपलब्धियां गिनायी। शिविर में हुए कार्यो की विस्तृत रिपोर्ट कार्यक्रम अधिकारी डॉ. शिल्पा नागोरी के द्वारा प्रस्तुत की गई। प्रो. भगवान साहु ने स्वयंसेवकों द्वारा सुनाये गये अनुभवों व किये गये कार्यो की प्रशंसा की तथा अपने सुझाव रखे समारोह अध्यक्ष प्रो. इसहाक मोहम्मद ने स्वयंसेवकों के कार्यो व अनुशासन की प्रशंसा की और कहा कि सेवा का भाव सदैव अपने जीवन में संजोये रखना वकठिन परिस्थितियों में भी धैर्य व सूझ–बूझ से सामना करना। प्रो. साहु ने स्वयंसेवकों को राष्ट्रीय सेवा योजना का लक्ष्यगीत भी गाकर सुनाया। अन्त में शिविर का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ।

जय हिन्द

डॉ. कमल नाहर	डॉ. नीलम सेठी	डॉ. शिल्पा नागोरी
प्राचार्य	कार्यक्रम अधिकारी	कार्यक्रम अधिकारी
	इकाई– प्रथम	इकाई– द्वितीय